पाठ 1. फूल के पहरेदार

I. श्रुतलेख

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. गुलाब के प्यारे फूल बगीचे में खिले हुए थे।
2. हरी डाल का झूला हवा झुलाया करती थी।
3. मोहन लाल रंग का गुलाब का फूल देखकर बहुत ललचाया था।
4. पौधे का शृंगार और आशा फूल को कहा गया है।
5. फूल तोड़ने पर वह मुरझा जाएगा।

III. लिखित कौशल

1. (क) "क्यों न तोड़ लूँ इसे" के भाव से मोहन ने फूल की तरफ हाथ बढ़ाया।

   (ख) जैसे ही मोहन ने फूल तोड़ने के लिए हाथ बढ़ाया वैसे ही उसकी उँगली में कुछ चुभा और खून निकलने लगा। इस टीस और दर्द ने मोहन के मन को झकझोर दिया।

   (ग) पेड़ के लिए फूल बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। फूल पेड़ की शोभा होते हैं। ये पौधे का शृंगार हैं, उसकी आशा, शोभा, भाषा सब कुछ हैं। फूल पेड़ की सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं।

   (घ) फूल का पहरेदार काँटा था।

   (ङ) फूल का पहरेदार पत्तों के नीचे रहता है। यह फूल के पीछे छिपकर पहरा देता है। काँटे ने यह कहकर मोहन को फूल तोड़ने से रोक लिया कि इसे कुछ दिन हँस लेने दो, लोगों को देख लेने दो और मैं पहरे पर खड़ा हूँ तुम इसे तोड़ नहीं पाओगे।
2. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iv)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) विद्‌यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. अपने छोटे-से जीवन के लिए फूल अभिलाषाएँ करता होगा कि उसे पेड़-पौधों पर खिलने दें, कोई तोड़े नहीं। अपने छोटे-से जीवन में वह अपनी सुंदरता से प्रकृति की सुंदरता बढ़ाए। अपनी खुशबू से वातावरण को सुगंधित करे। उसे देखकर लोगों के चेहरे पर मुसकान आए। उसके रंग और सुंदरता से लोग मोहित हों।
2. हमें फूलों से अपने जीवन के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम भी फूलों की तरह लोगों के जीवन में खुशियाँ लाएँ। प्रकृति को सुंदर बनाए रखें। जिस तरह फूल अपनी सुगंध से वातावरण को सुगंधित रखता है उसी तरह हम लोगों के जीवन के दुख-दर्द को दूर कर उन्हें खुशियाँ प्रदान करें।

VI. भाषा कौशल

1. (क) चाँदनी, लूँ, उँगली, हँस, हूँ, झाँको, काँटा, रखूँगा, करूँगा।
2. (क) च् + आँ + द् + अ + न् + ई

   (ख) झ् + अ + क् + अ + झ् + ओ + र् + आ

   (ग) स् + उ + न् + द् + अ + र् + अ + त् + आ

   (घ) श् + ओ + भ् + आ

   (ङ) न् + अ + म् + अ + स् + क् + आ + र् + अ

   (च) व् + य् + अ् + र् + थ् + अ
3. (क) पुल्लिग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिग (घ) पुल्लिग (ङ) स्त्रीलिंग

   (च) पुल्लिग (छ) पुल्लिग (ज) स्त्रीलिंग (झ) स्त्रीलिंग (ञ) पुल्लिग
4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (iii)

5. (क) कवि धरती के सजे-धजे वेश की कल्पना करता है, जहाँ पर चारों तरफ़ सुंदर-सुंदर बगीचे और बगीचे में फूल खिले हों तथा हरी-हरी घास हो।

(ख) कवि कहता है कि नदियों का पानी निर्मल हो तथा शुद्ध हवा बहती हो।

(ग) अपने देश का परिवेश स्वच्छ, शांत और प्रदूषण मुक्त होना चाहिए।

(घ) धरती के आँचल के लिए कवि कह रहा है कि धान, अनाज और फलों-फूलों से धरती का आँचल हमेशा भरा रहे।

(ङ) धनी

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-2. विद्यार्थी स्वयं करें।

3. गुलाब, चंपा, चमेली, गुड़हल, पलाश, कनेर, रजनीगंधा, मोगरा, कमल, गुलमोहर

पाठ 2. गिरगिट का सपना

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. गिरगिट हरे जंगल में रहता था।
2. उसका खयाल था कि उसे कुछ और होना चाहिए था।
3. गिरगिट को अपने सिवा हर एक से ईर्ष्या होती थी।
4. साँप बने गिरगिट ने पत्थर और काँटों की चुभन को नज़रअंदाज़ कर दिया।
5. एक गिरगिट दोस्त ने।

III. लिखित कौशल

1. (क) गिरगिट कुछ और बनना चाहता था क्योंकि उसका खयाल था कि हर चीज़, हर जीव का अपना रंग है। पर उसका अपना कोई रंग नहीं है।

   (ख) गिरगिट को दो-चार कीड़े ज़्यादा निगल लेने से बदहजमी हो गई थी। नींद लाने के लिए वह कई तरह से उलटा-सीधा हुआ परंतु उसे नींद नहीं आई। उसने कई बार रंग भी बदला, पर कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए उसे बेचैनी हो रही थी।

   (ग) साँप बनने के बाद गिरगिट ने आस-पास के माहौल में देखा कि चूहे-चमगादड़ उससे खौफ़ खाए हुए थे। सामने के पेड़ पर गिरगिट भी उससे डर कर जल्दी-जल्दी रंग बदल रहा था।

   (घ) नेवला बनने के बाद गिरगिट उछल-कूद कर रहा था। एक बार वह ज़ोर से उछला तो पेड़ की टहनी पर टँग गया। टहनी का काँटा उसके जिस्म में गड़ गया। अब वह न उछल सकता था और न नीचे आ सकता था।

   (ङ) कौवा बनने के बाद गिरगिट आसमान में चक्कर लगा रहा था कि नीचे खड़े कुछ लड़के गुलेल हाथ में लिए उसे निशाना बना रहे थे। उसने डरकर आँखें मूँद लीं। उसने डर के मारे मन-ही-मन वापस गिरगिट बनने की इच्छा की।

2. (घ) (ख) (क) (ग) (ङ)

3. (क) **भावार्थ–** इसका भावार्थ यह है कि गिरगिट भले ही अपना रंग और आकार बदलकर साँप बन गया था लेकिन उसमें गुण गिरगिट वाले ही मौजूद थे। जैसे ही नेवला उसके पास आया वह सामना करने की जगह एक पेड़ के पीछे जा छिपा।

   (ख) **भावार्थ–** इसका भावार्थ यह है कि गिरगिट अपने उस गिरगिट दोस्त को गिरगिट की ही भाषा में सबक सिखाना चाहता था जिसने उसे नींद लाने के लिए पत्ती खाने की सलाह दी थी। उसकी सलाह के कारण ही गिरगिट को इतने कष्टों का सामना करना पड़ा।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. जीवन में अपनी एक अलग पहचान होना बहुत आवश्यक है। व्यक्ति अपनी पहचान से ही समाज में जाना-पहचाना जाता है। उसके गुणों एवं व्यवहार से उसकी पहचान बनती है। इसलिए हमें सद्‌गुणों को अपनाते हुए समाज में उचित व्यवहार करना चाहिए।
2. ईर्ष्या करना अनुचित है। हमें दूसरों से प्रेम का व्यवहार करना चाहिए। दूसरों के प्रति ईर्ष्या रखने से अपना ही नुकसान होता है। इससे व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। ईर्ष्यालु व्यक्ति से सभी दूर भागते हैं। ऐसा व्यक्ति समाज में निंदा का पात्र बनता है। अत: हमें दूसरों से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।
3. लड़कों का गुलेल से कौओं को मारना अमानवीय व्यवहार है। हमें जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम एवं सहानुभूति का भाव रखना चाहिए। जीवों के साथ अत्याचार या अमानवीय व्यवहार करना दुर्गुणों को उजागर करता है। ऐसे व्यक्ति की हर तरफ आलोचना ही होती है। अत: हमें जीव-रक्षा हेतु कार्य करने चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1.	**उपसर्ग**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
(क)	बद	हज़म	ई
(ख)	बे	चैन	ई
(ग)	बे	परवाह	ई
(घ)	खूब	सूरत	ई

2. (क) बचाव (ख) ईर्ष्या (ग) बेचैनी (घ) धोखा (ङ) कामयाबी

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-3. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. सादगी की मूरत

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. लेखिका अपने घर भागलपुर जा रही थीं।
2. राजेंद्र बाबू प्लेटफ़ॉर्म पर एक बेंच पर बैठे हुए थे।
3. राजेंद्र बाबू को पहली बार देखने वाले व्यक्ति को ऐसा अनुभव होता था कि जैसे उन्हें पहले भी कहीं देखा है।
4. स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद जी थे।
5. राजेंद्र बाबू की पत्नी ने लेखिका से सिरकी के बने सूप लाने को कहा था।

III. लिखित कौशल

1. (क) लेखिका को राजेंद्र बाबू का अभिवादन करने का ध्यान तब आया जब उनके भाई ने उन्हें बताया कि बेंच पर बैठे उक्त सज्जन राजेंद्र बाबू हैं।

(ख) लेखिका ने राजेंद्र बाबू की वेशभूषा की ग्रामीणता का वर्णन करते हुए बताया कि राजेंद्र बाबू ने खादी की मोटी धोती ऐसा फेंटा देकर बाँधी थी कि एक ओर दाहिने पैर पर घुटना छूती थी और दूसरी ओर बाएँ पैर की पिंडली। मोटे, खुरदरे, काले बंद गले के कोट के ऊपर वाला भाग बटन टूट जाने के कारण खुला था और घुटने के नीचे का भाग बटनों से बंद था। सर्दी के कारण पैरों में मोज़े-जूते तो थे पर एक मोज़ा जूते पर उतर आया था तथा दूसरा टखने पर घेरा बना रहा था। गांधी टोपी की नोक बाईं भौंह पर खिसक आई थी। उनकी वेशभूषा को देखकर लगता था कि वे जल्दी में कपड़े पहन आए हैं इसलिए जो जहाँ अटका रह गया था वह वहीं उसी स्थिति में अटका हुआ था।

(ग) राजेंद्र बाबू की मुखाकृति तथा वेशभूषा के समान ही वे अपने स्वभाव और रहन-सहन से भी सामान्य भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे। प्रतिभा और बुद्धि की विशिष्टता के साथ-साथ उन्हें गंभीर संवेदना भी प्राप्त हुई थी, यही वे विशेष बातें थीं जो उनके सामान्य व्यक्तित्व को गरिमा प्रदान करती थीं।

(घ) लेखिका को राजेंद्र बाबू के निकट संपर्क में आने का अवसर सन् 1935 में मिला, जब वे कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में इलाहाबाद महिला विद्यापीठ के भवन का शिलान्यास करने प्रयाग आए थे।

(ङ) राजेंद्र बाबू की पत्नी का छात्रावास की सभी बालिकाओं के साथ बहुत अच्छा व्यवहार था। उन्हें सभी का समान रूप से ध्यान रहता था। वे सभी को बुला-बुलाकर उनका तथा उनके परिवार का कुशल-मंगल पूछना न भूलती थीं। इसके साथ ही घर से लाए गए मिष्ठान सभी बालिकाओं एवं वहाँ के नौकर-चाकरों में बाँटे जाते थे।

(च) बालिकाओं के संबंध में राजेंद्र बाबू ने लेखिका को निर्देश दिया था कि वे सामान्य बालिकाओं के साथ बहुत सादगी तथा संयम के साथ रहें। गुरुजनों की सेवा, कमरे की साफ़-सफ़ाई आदि भी उनके अध्ययन का आवश्यक अंग हो। वे अपने खादी के कपड़े स्वयं धो लिया करें। अत: वे जैसे रहती आई हैं, उसी प्रकार रहेंगी।

(छ) राजेंद्र बाबू की पत्नी ने लेखिका को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया तथा साथ ही प्रयाग से सिरकी के बने एक दर्ज़न सूप लाने का आग्रह भी कई बार कर दिया क्योंकि फटकने-पछोरने के लिए सिरकी के सूप बहुत अच्छे होते हैं। लेखिका प्रथम श्रेणी के डिब्बे में यात्रा कर रही थीं। उसी डिब्बे में उन्होंने उन सूपों को भी टाँगने की व्यवस्था की हुई थी। लेखिका के लिए यह दृश्य बड़ा ही विचित्र था पर उससे भी ज़्यादा विचित्र वह दृश्य था जब लेखिका को स्टेशन से लाने के लिए राष्ट्रपति भवन से भेजी गई बड़ी कार के ऊपर वे बारह सूप रखे गए। राष्ट्रपति भवन के हर द्वार पर खड़ा सिपाही विस्मय से इस उपहार को देख रहा था क्योंकि इससे पहले इस प्रकार का विचित्र उपहार लेकर न तो कोई अतिथि वहाँ आया था, न ही आएगा। पर राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी ने लेखिका को देखते ही गले से लगा लिया। लेखिका के लिए यह दृश्य बहुत अद्भुत था।

(ज) राजेंद्र बाबू के सामान्य परंतु जीवन-मूल्यों की परख करने वाले विलक्षण व्यक्तित्व से पूर्ण रूप से परिचित होने के बाद लेखिका के मन में अनेक बार प्रश्न उठता – क्या वह साँचा टूट गया जिसमें ऐसे कठिन, कोमल चरित्र ढलते थे?

2. (क) खादी (ख) किसान (ग) अध्यक्ष (घ) अन्न (ङ) उपवास

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. राजेंद्र बाबू के जीवन से हम 'सादा जीवन उच्च विचार' रखने की प्रेरणा ले सकते हैं।

2. राजेंद्र बाबू की पत्नी भले ही एक ज़मींदार परिवार की वधू और राजेंद्र बाबू जैसे स्वतंत्रता सेनानी तथा भारत के प्रथम राष्ट्रपति की पत्नी थीं परंतु उनके स्वभाव में इस बात का लेशमात्र भी अहंकार नहीं झलकता था। राजेंद्र बाबू की भाँति ही वे भी ज़मीन से जुड़ी हुई महिला थीं। वे सबके प्रति ममतामयी, सरल एवं क्षमामयी हृदय की धनी थीं। राष्ट्रपति भवन में रहने के उपरांत भी वे सामान्य गृहणियों की तरह स्वयं भोजन पकाती थीं। ये सब बातें उनके संतोषी स्वभाव तथा सादा जीवन को प्रकट करती हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) नगर + इक (ख) भारत + ईय (ग) सीमा + इत (घ) स्वभाव + इक
(ङ) स्वच्छ + ता (च) प्रतिनिधि + त्व

2. (क) समय पर सोने <u>तथा</u> समय पर जागने का नियम बनाओ।
(ख) मेघा ने पिकनिक पर जाने की हामी भर दी <u>लेकिन</u> राधा को भी साथ ले जाने की शर्त रख दी।
(ग) राम <u>अथवा</u> लक्ष्मण में से किसी एक को टीम में चुनना चाहिए।
(घ) रघु देर से आया था <u>इसलिए</u> उससे मिलना न हो पाया।
(ङ) प्रतिदिन पाठ याद करो <u>ताकि</u> परीक्षा में मुश्किल न हो।
(च) मुझे दिल्ली जाना है <u>क्योंकि</u> वहाँ मेरी परीक्षा है।
(अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii) (च) (iii) (छ) (ii)

4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iv) (ङ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) बिहार (ख) प्रयागराज (ग) देशरत्न (घ) दिल्ली

2.
1. राजेंद्र प्रसाद 1950-1962
2. एस. राधाकृष्णन 1962-1967
3. जाकिर हुसैन 1967-1969
4. वी. वी. गिरी 1969-1974
5. फकरुद्दीन अली अहमद 1974-1977
6. नीलम संजीव रेड्डी 1977-1982
7. ज्ञानी जैल सिंह 1982-1987
8. आर. वेंकटरामन 1987-1992
9. शंकर दयाल शर्मा 1992-1997
10. के. आर. नारायण 1997-2002
11. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 2002-2007
12. प्रतिभा पाटिल 2007-2012
13. प्रणव मुखर्जी 2012-2017
14. रामनाथ कोविंद 2017-2022
15. द्रौपदी मुर्मू 2022-वर्तमान समय तक

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. थल सेना – जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, जल सेना– एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी
नभ सेना – मार्शल एपी सिंह

5. बराक ओबामा – अमेरिका, ब्लादिमीर पुतिन – रूस,
ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – भारत, नेल्सन मंडेला – साउथ अफ्रीका

पाठ 4. बूढ़ी काकी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. काकी के परिवार में उनका भतीजा बुद्धिराम, उसकी पत्नी रूपा तथा उनके तीन बच्चे थे।
2. काकी ने अपनी सारी संपत्ति अपने भतीजे बुद्धिराम के नाम कर दी थी।
3. लाडली बुद्धिराम की बेटी थी।
4. रूपा बुद्धिराम की पत्नी थी।
5. लाडली ने अपने हिस्से की पूड़ियाँ गुड़ियों की पिटारी में छिपाकर रखी थीं।
6. काकी ने लाडली से वहाँ ले चलने को कहा जहाँ मेहमानों ने बैठकर भोजन किया था।

III. लिखित कौशल

1. (क) काकी अपने कष्टों की ओर आकर्षित करने के लिए गला फाड़-फाड़कर रोती थीं।

   (ख) पंडित बुद्धिराम के बड़े बेटे मुखराम का तिलक आया था, इसलिए उसके द्वार पर शहनाई बज रही थी।

   (ग) पूड़ियों की सुगंध से बेचैन होकर काकी हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई से चौखट से उतरीं और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास जा बैठीं।

   (घ) काकी को कड़ाह के पास देखकर रूपा जल-भुन गई। वह अपना क्रोध रोक न सकी। वह काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली, "कोठरी में बैठते हुए क्या दम घुटता था? अभी भगवान को भोग नहीं लगा, मेहमानों ने नहीं खाया, तब तक धैर्य न हो सका? गाँव देखेगा तो कहेगा कि बुढ़िया भरपेट खाने को नहीं पाती तभी तो इस तरह मुँह बाये फिरती है।" रूपा के ऐसे कटु वचन सुनकर काकी रेंगते हुए वापस कोठरी में चली गईं।

   (ङ) काकी जब आँगन में आईं तो वहाँ बैठे कई आदमी उठ खड़े हुए। वे कहने लगे, "अरे, यह बुढ़िया कौन है? यहाँ कहाँ से आ गई?" पंडित बुद्धिराम काकी को वहाँ देखते ही क्रोध से तिलमिला गए। लपककर उन्होंने काकी के दोनों हाथ पकड़े और घसीटते हुए लाकर उन्हें कोठरी में धम्म से पटक दिया।

   (च) लाडली ने अपने हिस्से की पूड़ियाँ बिलकुल न खाई थीं। उसने पूड़ियाँ गुड़िया की पिटारी में बंद कर रखी थीं। जब लाडली को विश्वास हो गया कि अम्माँ सो रही हैं, तो वह चुपके से उठी और पिटारी उठाकर काकी की कोठरी की ओर चली। कोठरी में काकी लेटी हुई थीं। लाडली ने काकी को आवाज़ लगाई। काकी चटपट उठ बैठीं, दोनों हाथों से लाडली को टटोला और उसे गोद में बिठा लिया। लाडली ने पूड़ियाँ निकालकर काकी को दीं। काकी पूड़ियों पर टूट पड़ीं। पाँच मिनट में पिटारी खाली हो गई।

   (छ) बूढ़ी काकी जूठे पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खा रही थीं। इस दृश्य ने रूपा को द्रवित कर दिया।
2. (ग) (क) (ख) (घ) (च) (ङ)
3. (क) बुढ़ापे में इनसान का मन फिर से बच्चा बन जाना चाहता है। इनसान का व्यवहार बच्चों जैसा हो जाता है।

   (ख) काकी के मन में उठ रही इच्छाओं ने काकी के मन को अधीर कर दिया। इच्छाओं के इस उतावलेपन ने उन्हें सही-गलत का भेद भी भुला दिया। अतः मनुष्य को अपनी इच्छाओं को नियंत्रण में रखना चाहिए।

   (ग) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि जिस प्रकार थोड़ी वर्षा के कारण गर्मी और उमस और बढ़ जाती है उसी प्रकार लाडली द्वारा दी गई थोड़ी-सी पूड़ियों ने बूढ़ी काकी की भूख और पूड़ियों को पाने की चाह को और अधिक बढ़ा दिया। काकी का मन और पूड़ियाँ खाने को हुआ। उसकी भूख और भी बढ़ गई।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि लाडली काकी से बहुत प्रेम करती थी। लाडली समझदार एवं संयमी थी। वह काकी के स्वभाव और भावनाओं को भलीभाँति समझती थी।

2. हमें अपने बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर-सम्मान का व्यवहार रखना चाहिए। उनकी देखभाल करनी चाहिए तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बड़े – गुणवाचक (ख) यह – सार्वनामिक (ग) कई – संख्यावाचक
   (घ) भोली – गुणवाचक (ङ) स्वादिष्ट – गुणवाचक (च) पाँच – संख्यावाचक
2. (क) सु + गंध (ख) वि + नष्ट (ग) सम् + पूर्ण (घ) नि + मग्न
   (ङ) दुर् + गति (च) दुर् + भाग्य
3. (क) मिश्र + इत, चर्चित (ख) निर्दय + ता, दयालुता (ग) वर्ष + इक, श्रमिक
   (घ) कठिन + आई, पढ़ाई (ङ) परीक्षा + इक, शिक्षक
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii) (च) (ii)
5. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. शहनाई, पकवान, आसमान, भरपेट, चटपट, बुद्धिराम

2–3. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 5. रुपयों का पेड़

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. बच्चे लूडो खेल रहे थे।
2. बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा जमा करना।
3. बच्चों ने चंदा देने से मना कर दिया तो मोहन निराश हो गया।
4. मंत्र से रुपयों का पेड़ लगाया जाता था।
5. बच्चों ने पाँच-पाँच रुपए के पौधे लगाए।

III. लिखित कौशल

1. (क) मोहन बाढ़ पीड़ितों की मदद करने के लिए चंदा इकट्ठा कर रहा था।

   (ख) बच्चों ने चंदा न देने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाए। उन्होंने मोहन को कहा कि क्यों बेकार पचड़े में पड़ते हो, हमारे पास पैसे कहाँ है? हमारी जेब तो खाली है। चंदा किसी और से लेना, अपने साथियों से तो मत वसूल करो।

   (ग) दोस्तों की उदासीनता देखकर मोहन एक मिनट निराश-सा खड़ा रहता है फिर जैसे उसके दिमाग में मज़ेदार बात आती है तो उसके चेहरे पर खुशी छा जाती है। वह डिब्बा रखकर अपने दोस्तों के साथ खेलने लग जाता है।

   (घ) मोहन ने बताया कि मंत्र से रुपयों का पेड़ लगाया जाता है। यह मंगलवार के दिन ही लगता है। गमले में एक रुपए का सिक्का बोने से एक-एक रुपए के फूल खिलेंगे और पाँच रुपए बोने से पाँच-पाँच रुपए के फूल खिलेंगे।

   (ङ) सभी बच्चों के जाने के बाद मोहन गमलों से मिट्टी हटाकर चारों सिक्के निकालता है और उन्हें चंदे वाले डिब्बे में डाल देता है। खाली गमलों में थैले से एक-एक पौधा निकालकर लगा देता है।

   (च) गमलों में निकले हुए पौधे देखकर सभी बच्चे खुशी से नाचने लगे।

   (छ) मोहन ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसने अपने दोस्तों द्वारा गमलों में बोए सिक्के निकालकर चंदे के डिब्बे में डाल दिए थे। इस प्रकार उसे बच्चों से चंदा मिल गया था।
2. (क) मोहन ने (ख) वीरू ने (ग) मिथुन ने (घ) रीता ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. मोहन का यह तरीका उचित था क्योंकि किसी अच्छे और नेक काम के लिए बोला गया झूठ सच के बराबर होता है। मोहन ने पीड़ितों की मदद के लिए चंदा जमा करने हेतु झूठ बोला था। उसके झूठ से किसी की मदद हो तो इसे झूठ नहीं माना जाता है। भले ही उसने झूठ बोला हो परंतु उसका इरादा गलत नहीं था।
2. इससे मोहन के व्यक्तित्व के गुणों का पता चलता है, जैसे- ईमानदारी, सच्चाई, भरोसेमंद, मैत्री भाव आदि।

VI. भाषा कौशल

1. र [र्] – वर्ष, इर्द-गिर्द, सहायतार्थ, खर्च, आश्चर्य, गर्व, पार्श्व

   र [्र] – प्रवेश, मुद्रासवाली, मुद्राओं
2. (क) खेल (ख) भूख (ग) गरीबी (घ) भयानकता (ङ) पढ़ाई (च) हँसी
3. (क) सहायक क्रिया (ख) मुख्य क्रिया (ग) संयुक्त क्रिया (घ) सहायक क्रिया (ङ) संयुक्त क्रिया

   (च) सहायक क्रिया (छ) संयुक्त क्रिया
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)
5. (क) (iv) (ख) (iv) (ग) (iii) (घ) (iv) (ङ) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 6. पुस्तक-कीट

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. मालती कक्षा में भागी जा रही थी।
2. निर्मला आठवीं कक्षा में पढ़ती थी।
3. निर्मला की सेहत के बारे में सुलेखा तथा उसकी सहेलियों को चिंता हो रही थी।
4. निर्मला ने 'पेरिस' को अमरीका की राजधानी बताया था।
5. अध्यापिका घूमने के लिए शिमला जा रही थीं।

III. लिखित कौशल

1. (क) कुसुम और लता ने मालती को बताया कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली निर्मला को अध्यापिका जी ने हॉल में बुलाया है। सुलेखा उसके बारे में उन्हें कुछ बताने वाली है।

   (ख) निर्मला रात-दिन किताबों में घुसी रहती थी। जिससे उसका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था। निर्मला की सहेली सुलेखा ने अध्यापिका से इस बारे में बताया तो अध्यापिका ने निर्मला को समझाने के लिए अपने पास बुलाया।

   (ग) सुलेखा ने निर्मला के बारे में अध्यापिका से कहा कि यह रात-दिन किताबों में घुसी रहती है। अपने स्वास्थ्य का ज़रा-सा भी खयाल नहीं है। सहेली होने के नाते इसकी सेहत देखकर हम सबको चिंता हो रही है।

   (घ) अध्यापिका ने निर्मला से भूगोल तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे।

   (ङ) अध्यापिका ने निर्मला को आदेश दिया कि तुम दो महीने तक किताबों की सूरत न देखो। अपनी सब किताबें मेरे पास जमा कर दो और इस अवधि में किसी हिल स्टेशन पर जाकर रहो। हिल स्टेशन से लौटकर तुम्हें प्रतिदिन एक घंटा घूमना और दो घंटे खेलना होगा। रात में तुम्हें पर्याप्त सोना होगा।

2. (क) हॉल (ख) घंटी (ग) पर्वत (घ) सूरत (ङ) शिमला

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. अध्यापिका ने जो दंड निर्मला को सुनाया उससे पता चलता है कि वे छात्राओं से प्रेमवत व्यवहार करती हैं। उनकी डाँट में भी प्यार ही छिपा है। वे निर्मला के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हैं। इससे पता चलता है कि वे छात्राओं का ध्यान भी रखती हैं।
2. सुलेखा ने एक सहेली, एक सहपाठी होने का कर्तव्य ईमानदारी से निभाया। उसने सच्चे मित्र और अपने मित्रों का ध्यान रखने जैसे मानवीय मूल्य का परिचय दिया है।
3. विद्यार्थी जीवन में जितना महत्त्व पढ़ाई का है उतना ही महत्त्व खेल का भी है, क्योंकि खेल से स्वास्थ्य ठीक रहता है एवं तन और मन दोनों का विकास होता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) तेज़ी से – रीतिवाचक (ख) वहाँ – स्थानवाचक (ग) कुछ – परिमाणवाचक (घ) अंदर – स्थानवाचक

   (ङ) इतना – परिमाणवाचक (च) लगातार – रीतिवाचक (छ) अब – कालवाचक (ज) ज़रा – परिमाणवाचक
2. (क) अच्छा (ख) ऊपर (ग) कमरा (घ) फ़ैसला (ङ) अंतहीन (च) लाभ
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iv) (ङ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. दिवाली की सच्ची खुशी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. कार्तिक महीने में।
2. माँ हर साल ही बच्चों को दिवाली का महत्त्व समझाती हैं।
3. जिसका घर साफ़-सुथरा होता है लक्ष्मी उसी पर कृपा करती है।
4. शोभा को चित्रकारी का शौक था।
5. राकेश दादी और माँ के साथ गुझिया बनवाने, शोभा दीदी को रंगोली में रंग भरने तथा पानी में से दिये निकालकर रखने में मदद कर रहा था।

III. लिखित कौशल

1. (क) दिवाली से हफ़्तों पहले लोग घर की साफ़-सफ़ाई के कामों में व्यस्त हो जाते हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए नए कपड़े बनवाते हैं और मित्रों तथा बंधुओं के घर मिठाई भेजते हैं।

   (ख) लक्ष्मी के आने का अर्थ है– घर में सुख-समृद्धि आना।

   (ग) माँ ने बताया कि पुराने ज़माने में बिजली या मोमबत्तियाँ नहीं थीं। उस समय मिट्टी के दीये ही जलाए जाते थे। अब भी लोग मानते हैं कि मिट्टी के दिये पवित्र हैं।

   (घ) पटाखों से होने वाली दुर्घटनाएँ दिवाली की रौनक को फीका बना देती है।

   (ङ) दिवाली के पीछे कथा है कि पहली बार अयोध्यावासियों ने दिवाली मनाई थी, जब रामचंद्र जी लक्ष्मण, सीता, हनुमान के साथ लंका विजय करके चौदह वर्ष बाद अपनी राजधानी लौटे थे तब अयोध्यावासियों ने घी के दिये जलाए थे। तब से आज तक रावण पर राम की विजय यानि बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में यह उत्सव मनाया जाता है।

   (च) गरीब बच्चों को देखकर माँ ने अंजू को फुलझड़ियों का एक डिब्बा थमाकर उसे उन बच्चों को देने को कहा। साथ ही स्वयं अंदर जाकर उनके लिए मिठाइयाँ भी ले आईं।

   (छ) त्योहार की सच्ची खुशी खुशियाँ और मुसकान बाँटने में है।
2. (क) अंजू ने माँ से (ख) राकेश ने माँ से (ग) माँ ने अंजू से (घ) माँ ने अंजू से (ङ) अंजू ने माँ से

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. हमें त्योहार सावधानीपूर्वक मनाने चाहिए। त्योहार खुशियाँ बाँटने आते हैं। इसलिए हमें पटाखे नहीं चलाने चाहिए। इनसे दुर्घटनाएँ होती हैं। पर्यावरण प्रदूषित होता है। त्योहारों में लोग जुआ खेलते हैं। नशे में तेज रफ़्तार से गाड़ी चलाते हैं जिससे दुर्घटनाएँ होती हैं। अत: ये बुरी आदतें छोड़कर हमें एक-दूसरे से मिलकर तथा मिठाइयाँ बाँटकर त्योहार मनाने चाहिए।
2. इस कथन से माँ के परोपकारी होने का गुण पता चलता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) कमला, पद्मा, रमा (ख) चपला, दामिनी, तड़ित (ग) मृत्तिका, मृदा, माटी

   (घ) दीपक, चिराग, प्रदीप (ङ) रजनी, रात्रि, निशा
2. (क) मिट्टी, लट्टू, खट्टा (ख) अन्न, गन्ना, प्रसन्न

   (ग) पत्ता, गत्ता, भत्ता (घ) गुब्बारा, बब्बर, डिब्बा
3. (क) भविष्यत् काल (ख) वर्तमान काल (ग) भूतकाल (घ) वर्तमान काल

   (ङ) भूतकाल (च) वर्तमान काल (छ) भविष्यत् काल (ज) भूतकाल
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-2. विद्यार्थी स्वयं करें।

3. राष्ट्रीय पर्व हैं– गांधी जयंती, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस।

4. ऋतु विशेष त्योहारों की सूची-

1. बसंत ऋतु के त्योहार– बसंत पंचमी, उगादि, गुड़ी पर्व, बीहू, वैशाखी, हनुमान जयंती, होली, रामनवमी।
2. ग्रीष्म ऋतु के त्योहार– गुरु पूर्णिमा, रथ यात्रा, महावीर जयंती।
3. वर्षा ऋतु के त्योहार– रक्षाबंधन, गुरु पूर्णिमा, कृष्ण जन्माष्टमी।
4. शरद ऋतु के त्योहार– शरद पूर्णिमा, नवरात्रि, दुर्गापूजा, विजयादशमी।
5. हेमंत ऋतु के त्योहार– दिवाली, भाईदूज, छठ।
6. शीत ऋतु के त्योहार– मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल।

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. चंद्रशेखर वेंकट रामन

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. वेंकट रामन को सन् 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला था।
2. वेंकट रामन का जन्म तमिलनाडु राज्य में हुआ था।
3. वेंकट रामन की माता का नाम पार्वती अम्माल तथा पिता जी का नाम चंद्रशेखर अय्यर था।
4. जब वेंकट रामन के पिता की मृत्यु हुई तब वे बर्मा (म्याँमार) में कार्यरत थे।
5. वेंकट रामन ने पहली विदेश यात्रा सन् 1917 में की थी।
6. वेंकट रामन ने 'रामन शोध संस्थान' की स्थापना की थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) चंद्रशेखर वेंकट रामन का जन्म तमिलनाडु राज्य के तिरुचिरापल्ली शहर के समीप एक गाँव में 7 नवंबर, 1888 को हुआ था।

   (ख) एम.ए. की पढ़ाई वेंकट रामन ने प्रेसीडेंसी कॉलेज से की थी।

   (ग) वेंकट रामन के भाई 'भारतीय लेखा सेवा' विभाग में काम करते थे।

   (घ) कलकत्ता में वेंकट रामन दिन भर दफ़्तर में और सुबह-शाम प्रयोगशाला में काम करते रहते थे। यही वेंकट रामन की दिनचर्या हो गई थी।

   (ङ) लंदन जाने के लिए वेंकट रामन समुद्री जहाज़ पर सवार हुए। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। इस यात्रा में उनके जीवन की एक महत्त्वपूर्ण घटना घटी। उन्होंने भूमध्य सागर के गहरे नीले पानी को देखा। इस नीले पानी को देखकर उनके मन में एक प्रश्न उभरा कि क्या यह नीला रंग पानी का है या नीले आकाश की परछाई के कारण समुद्र नीला दिखता है। बाद में रामन ने अपने शोधों के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाला कि यह नीला रंग न पानी का है, न ही आकाश का। यह नीला रंग तो पानी तथा हवा के कणों द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन से उत्पन्न होता है।

   (च) सूर्य के प्रकाश के बारे में वेंकट रामन ने समझाया था कि सूर्य का प्रकाश जिन सात रंगों – बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी और लाल से बना है, उनमें से नीले रंग को छोड़कर बाकी सभी रंग प्रकीर्णन के कारण अवशोषित होकर ऊर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं परंतु नीला प्रकाश वापस परावर्तित हो जाता है।

   (छ) वेंकट रामन को 'नोबेल पुरस्कार', 'भारत रत्न', 'लेनिन शांति पुरस्कार' आदि के साथ देश-विदेश में अनेक सम्मान मिले।

2. (क) वेंकट रामन का जन्म (ख) वेंकट रामन का विवाह (ग) महालेखापाल पद पर पदोन्नति (घ) पहली विदेश यात्रा (ङ) रामन प्रभाव की खोज (च) वेंकट रामन की मृत्यु
3. (क) संगीतप्रेमी (ख) कुशाग्रबुद्धि (ग) वैंकी (घ) लेनिन शांति पुरस्कार

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि उनका व्यक्तित्व सादगी भरा था। उनके अंदर धन एवं पद का घमंड नहीं था।
2. वेंकट रामन की पत्नी त्रिलोकसुंदरी एक सरल और समझदार महिला थीं। उन्होंने वेंकट रामन का विज्ञान के प्रति समर्पण देखा तो उनकी भरपूर मदद की। वे एक कुशल गृहिणी भी थीं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) उपलब्धियाँ (ख) परीक्षाएँ (ग) उपाधियाँ (घ) महिलाएँ
2. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) पुल्लिंग
3. (ख) सार्वनामिक विशेषण (ग) क्रिया (घ) विशेषण (ङ) संज्ञा (च) सर्वनाम (छ) क्रियाविशेषण
4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

5. (क) (iii)   (ख) (ii)   (ग) (i)   (घ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की आवश्यक सहायता करें।)

पाठ 9. गोल– मेजर ध्यानचंद

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. मेजर ध्यानचंद हॉकी के एक प्रसिद्ध खिलाड़ी थे।

2. मेजर ध्यानचंद का जन्म सन् 1904 में प्रयाग में हुआ था।

3. 16 साल की उम्र में वे आर्मी में भर्ती हुए।

4. मेजर ध्यानचंद की ख्याति 'हॉकी के जादूगर' नाम से हुई।

III. लिखित कौशल

1. (क) ध्यानचंद जब 'प्रथम ब्राह्मण रेजिमेंट' में सिपाही के रूप में भर्ती हुए तो रेजिमेंट का हॉकी में काफ़ी नाम था। उस समय खेल में ध्यानचंद की कोई रुचि नहीं थी लेकिन सूबेदार मेजर तिवारी के कहने पर उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया।

(ख) बर्लिन ओलंपिक में ध्यानचंद के खेल-प्रदर्शन से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहना शुरू कर दिया।

(ग) मेजर ध्यानचंद का संबंध भारतीय आर्मी के 'प्रथम ब्राह्मण रेजिमेंट से था।

(घ) उनकी कप्तानी में भारत ने 1936 में बर्लिन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था।

(ङ) ध्यानचंद ने कहा कि लगन, साधना और खेल-भावना ही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।

2. (क) **भावार्थ–** इसका भावार्थ है कि जब कोई आदमी किसी के साथ बुरा करता है तो उसका ध्यान इसी बात पर लगा रहता है कि जिसके साथ मैंने बुरा किया है वह मुझसे कभी न कभी बदला ज़रूर लेगा। वह इसी भय और डर में जीता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।

(ख) **भावार्थ–** इसका भावार्थ है कि ध्यानचंद के खेलने के ढंग से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहना शुरू कर दिया। इसका बिलकुल भी यह मतलब नहीं है कि सारे गोल ध्यानचंद द्वारा ही किए जाते थे बल्कि वे खेल में टीम-भावना और खेल-भावना का प्रदर्शन करते थे। वे गेंद को दूसरे खिलाड़ियों तक पहुँचाते थे ताकि उन्हें भी गोल करने का श्रेय मिले। वे खेल में अपनी जीत या हार की भावना से ऊपर उठकर पूरे देश की जीत के लिए खेलते थे।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (iii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. जादूगर का अर्थ होता है– कुशल व्यक्ति, विशिष्ट गुण वाला, कार्य में निपुण आदि। किसी भी कला या हुनर में जादूगर सरीखा होना बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि आप उस कला में माहिर या निपुण हो जाते हैं। ऐसा कर पाने के पीछे का गुरुमंत्र लगन, जिज्ञासा, साधना, कड़ी मेहनत और अनुशासित जीवन हो सकता है।

2. दूसरी टीम के खिलाड़ी द्वारा ध्यानचंद के सिर पर हॉकी स्टिक मारने पर भी उन्होंने उस खिलाड़ी से बदला नहीं लिया। अच्छे खिलाड़ी होने के बावजूद सारे गोल खुद न करके दूसरे खिलाड़ियों को भी गोल करने का मौका देते थे। इन सबसे ध्यानचंद के शांत स्वभाव, क्षमा करने की भावना तथा टीम और सहयोग की भावना का पता चलता है। ये सभी उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ थीं जिनसे यह प्रतीत होता है कि बड़ा व्यक्तित्व होने के बावजूद वे ज़मीन से जुड़े रहे।

VI. भाषा कौशल

1. (क) शुरू (ख) दुश्मन (ग) अच्छाई (घ) असफलता (ङ) असाधारण (च) अनिश्चित

2. जैसे-तैसे, चाय-वाय, साम-दाम, शाक-सब्ज़ी, कूड़ा-करवट, घूमना-फिरना, टूटा-फूटा

3. (क) भूतकाल (ख) भूतकाल (ग) भूतकाल (घ) भूतकाल (ङ) भविष्यत् काल (च) वर्तमान काल

4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. विद्यार्थी स्वयं करें। **2.** फुटबॉल, बास्केटबॉल, पोलो। **3.** हरमनप्रीत सिंह

4-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. झलकारी का बलिदान

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. अंग्रेज़ रानी लक्ष्मीबाई को पकड़ना चाहते थे।
2. झलकारी बाई रानी लक्ष्मीबाई की सहेली थीं।
3. झाँसी के किले पर अंग्रेज़ों का कब्ज़ा हो गया था।
4. दुल्हाजू झाँसी का तोपची था।

III. लिखित कौशल

1. (क) झलकारी बाई ने रानी को बचाने के लिए योजना बनाई थी कि वह रानी के वेश में अंग्रेज़ों को धोखे में रखेगी और तब तक रानी किले से बाहर निकल जाएँगी।

   (ख) दुल्हाजू ने झाँसी का प्रधान बनने के लालच के कारण रानी से धोखेबाज़ी की।

   (ग) न्यायाधीश ने झलकारी बाई से कहा कि तुमने हमें धोखा दिया इसलिए हम तुम्हें मौत की सज़ा देते हैं।

   (घ) झलकारी बाई सज़ा सुनकर अपने आपको सौभाग्यशाली कह रही थी क्योंकि जिस मातृभूमि में उसका जन्म हुआ उसी भूमि की सेवा करने का उसे अवसर मिला।

   (ङ) मौत की सज़ा सुनकर भी झलकारी अपने आपको सौभाग्यशाली मान रही थी। उसकी इस वीरता, साहस और देश-प्रेम को देखकर न्यायाधीश ने अपने आसन से उठकर शीश झुकाया।

2. (ङ) (ग) (घ) (क) (ख)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. झलकारी बाई द्वारा अपनी रानी के लिए किया गया बलिदान उनकी देश-प्रेम भावना, रानी के प्रति समर्पण भावना, साहस और वीरता का आदर्श प्रस्तुत करता है।
2. इस ऐतिहासिक प्रसंग का मुख्य उद्देश्य और संदेश यह है कि देश सर्वोपरि है और जब हमारा देश खतरे में हो तो देश को बचाने के लिए सभी देशवासियों को मिल-जुलकर प्रयास करना चाहिए। देश-प्रेम का संदेश देते हुए यह प्रसंग बच्चों को अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए जागरूक करता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) अनुस्वार – अंग्रेज़, चारों, तुरंत, बंदी   अनुनासिक – पहुँच, झाँसी, जाऊँ, आएँ
2. (क) लालच (ख) दुश्मनी (ग) शत्रुता (घ) लड़ाई (ङ) बहादुरी (च) धोखबाज़ी
3. (क) तोपची (ख) मामूली (ग) अपनी (घ) बहादुर (ङ) मेरा

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 11. वैद्य जी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. रत्ना वैद्य जी की पत्नी थी।
2. भीलों के सरदार का नाम भीमनायक था।
3. वैद्य जी भीलों के गाँव में भीमनायक के बेटे का इलाज करने गए थे।
4. सरदार का बेटा वैद्य जी के बिस्तर पर लेटा था।
5. भीमनायक ने वैद्य जी के घर में चोरी की थी, इसलिए उसे पता था कि वैद्य जी के घर में दवा है।
6. सवेरा होने पर वैद्य जी अपने घर लौट आए।

III. लिखित कौशल

1. (क) वैद्य जी ने अपने व्यवसाय के बारे में रत्ना से कहा कि हमारा वैद्यक का यह व्यवसाय ऐसा है जिसमें पैसा कमाना ठीक नहीं। यह है सिर्फ़ समाज की भलाई के लिए। समाज से हमें अपने गुज़ारे भर का पैसा मिले तो काफ़ी है।
   (ख) वैद्य जी ने दरवाज़ा खोलने पर हाथ में मशाल लिए दो काले और मोटे आदमियों को देखा।
   (ग) दोनों व्यक्ति वैद्य जी के पास दवा लेने आए थे।
   (घ) बिस्तर देखकर वैद्य जी तुरंत पहचान गए कि यह उनके ही घर का है। वैद्य जी मन से बिस्तर की बात भूल गए। उनके हृदय में यह भावना जाग उठी कि वे चोरों के घर में नहीं, दुखी माँ-बाप के सामने हैं।
   (ङ) वैद्य जी ने भीमनायक को भगवान और शैतान के बारे में बताया कि बचाना भगवान का काम है और मारना शैतान का काम। किसी को बचाने के लिए जो आदमी जी-जान से कोशिश करेगा, उसे भगवान की मदद ज़रूर मिलेगी।
   (च) वैद्य जी के घर लौटने से पूर्व भीमनायक ने उनसे कहा कि पता नहीं भगवान हैं भी या नहीं पर मेरी आँखों के सामने आप ही मेरे लिए भगवान हैं। आपने मेरी जो सहायता की, उसे मैं कभी भूल नहीं सकता।
   (छ) भीमनायक ने बिस्तर के बारे में वैद्य जी से कहा, "आपके बिस्तर पर मेरा बेटा लेटा हुआ था, इसलिए बिस्तर नहीं लाया। आपसे आग्रह है कि वह बिस्तर आशीष के तौर पर बेटे के पास ही रहने दें।"
2. (क) सही (ख) गलत (ग) गलत (घ) सही (ङ) गलत (च) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. जिस व्यक्ति ने वैद्य जी के घर चोरी की, उसी के बेटे का उपचार करके वैद्य जी ने कर्तव्यनिष्ठा, परोपकार तथा दूसरों की सेवा-सहायता करना जैसे मानवीय गुणों का परिचय दिया है।
2. कुछ व्यवसाय ऐसे होते हैं जो समाज सेवा से जुड़े होते हैं। उन व्यवसायों में समाज का हित सर्वोपरि होता है न कि पैसा कमाना। वैद्यक का व्यवसाय भी ऐसा ही है जिसमें लोगों की सहायता करना प्रथम होता है धन कमाना द्वितीय।

VI. भाषा कौशल

1. (क) नफ़रत (ख) कुबुद्धि (ग) शैतान (घ) मुर्दा (ङ) अच्छाई/भलाई (च) उजाला
2. (क) विशेषण (ख) प्रविशेषण (ग) प्रविशेषण (घ) प्रविशेषण (ङ) विशेषण
3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) चेचक (ख) हैज़ा (ग) निमोनिया (घ) जुकाम (ङ) पीलिया (च) पोलियो (छ) पेचिश (ज) मलेरिया

2-3. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 12. रहस्य खुल गया

I. श्रुतलेख

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. राकेश के पिता का नाम प्रवेश शर्मा था।
2. राकेश ने अपने पिता को परेशान देखकर उनसे पूछा, "पिता जी, आप कुछ दिनों से बहुत परेशान दिखाई दे रहे हैं। आखिर ऐसी क्या बात है?"
3. राकेश ने अपने पिता से उनके साथ चलने का आग्रह किया।
4. बैठक शुरू होते ही मक्खियाँ मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती थीं।
5. राकेश को इस बात की खुशी हो रही थी कि उसने एक ऐसे रहस्य का पर्दाफ़ाश किया है जिसके कारण देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी।
6. कमरे में उपस्थित अधिकारीगण राकेश की बुद्‌धिमत्ता से प्रभावित हुए।

III. लिखित कौशल

1. (क) प्रवेश शर्मा सेना में मेजर थे।

   (ख) मेजर शर्मा की परेशानी का कारण था कि बैठक में जो भी बातें होतीं, वे सभी बातें दुश्मन-देश के पास पहुँच जाती थीं। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि भला ऐसा कैसे हो रहा है।

   (ग) जब बैठक चल रही होती तब राकेश कमरे की सभी वस्तुओं का बहुत गहन दृष्टि से निरीक्षण करता रहता। जब बैठक में सैन्य अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श चल रहा होता तब वह सभी अधिकारियों के चेहरे के भावों को भी पढ़ता रहता।

   (घ) तीसरे दिन राकेश ने बैठक वाले कमरे में एक विशेष बात देखी। जिस समय बैठक होती थी, उसी समय कमरे में कुछ मक्खियाँ न जाने कहाँ से आ जातीं और मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती थीं। ये सामान्य मक्खियों से कुछ भिन्न प्रकार की थीं और आकार में भी थोड़ी बड़ी थीं।

   (ङ) राकेश अपना जेबी ट्रांजिस्टर लेकर पिता जी के कार्यालय गया। उसने पाया कि जैसे ही मक्खियाँ कमरे में आईं वैसे ही ट्रांजिस्टर के डायल पर एक स्थान पर कुछ अस्पष्ट-सी ध्वनियाँ उभरने लगीं। डायल के उस स्थान पर या उसके आस-पास कोई रेडियो केंद्र भी नहीं लगता था कि उसकी आवाज़ आ रही हो। उसे अपना अनुमान ठीक प्रतीत होने लगा।

   (च) राकेश ने एक ऐसे रहस्य का पर्दाफ़ाश किया था जिसके कारण देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी। सैन्य-अधिकारियों की बैठक में जो महत्त्वपूर्ण बातें होतीं, वे दुश्मन-देश के पास पहुँच जाती थीं। राकेश ने देखा कि बैठक शुरू होते ही उस कमरे में कुछ मक्खियाँ मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती हैं। वे मक्खियाँ सामान्य मक्खियों से भिन्न प्रकार की थीं। राकेश को शक हुआ तथा वह अपना जेबी ट्रांजिस्टर लेकर पिता जी के कार्यालय गया। राकेश ने पाया कि जैसे ही मक्खियाँ कमरे में आईं वैसे ही ट्रांजिस्टर के डायल पर अस्पष्ट-सी ध्वनियाँ उभरने लगीं। राकेश ने एक मक्खी को पकड़कर अवलोकन किया तथा देखा कि मक्खी के पेट में बहुत शक्तिशाली ट्रांसमीटर लगा था। ये मक्खियाँ दुश्मन-सेना के मुख्यालय द्‌वारा नियंत्रित होती थीं। इस प्रकार राकेश ने सबके सामने इस रहस्य का पर्दाफ़ाश किया।
2. (क) पुरस्कृत (ख) निष्फल (ग) उपस्थिति (घ) ट्रांजिस्टर (ङ) पेट (च) विचार-विमर्श

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) विद्‌यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. मेजर शर्मा के व्यक्तित्व से देश-प्रेम, अदम्य बहादुरी, सहयोगियों से विचार-विमर्श करना तथा देश की सुरक्षा की चिंता करना जैसे गुणों को अपनाने की प्रेरणा ले सकते हैं।
2. राकेश ने रहस्य पर से पर्दा उठाकर देश-प्रेम, सूझबूझ, समस्या-समाधान कौशल, जिज्ञासा तथा देश की रक्षा का भाव जैसी बातों का परिचय दिया।

VI. भाषा कौशल

1. (क) र् + अ + ह् + अ + स् + य् + अ

(ख) म् + अ + ह् + अ + त् + त् + व् + अ + प् + ऊ + र् + ण् + अ

(ग) अ + ध् + य् + अ + य् + अ + न् + अ

(घ) क् + आ + र् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ

(ङ) व् + इ + ज् + ञ् + आ + न् + अ

(च) आ + ग् + र् + अ + ह् + अ

(छ) उ + प् + अ + स् + थ् + इ + त् + अ

2. (क) स्त्रीलिंग, बहुवचन (ख) पुल्लिंग, एकवचन (ग) पुल्लिंग, बहुवचन
(घ) पुल्लिंग, एकवचन (ङ) स्त्रीलिंग, एकवचन (च) स्त्रीलिंग, एकवचन

3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (iii) (ङ) (i) (च) (ii)

4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iv) (ङ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. मोको कहाँ ढूँढ़े

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. कविता के अंत में कवि ने कहा है कि भगवान विश्वास में बसते हैं।
2. यह कविता कबीर की रचना है।

III. लिखित कौशल

1. (क) कहाँ, पास (ख) कबीर, विश्वास
2. (क) लोग ईश्वर को ढूँढ़ने के लिए तीर्थ, एकांत निवास, मंदिर, मस्जिद, काबा तथा कैलाश पर्वत तक चले जाते हैं।

   (ख) ईश्वर हमारे पास हैं। वे सब जीवों की साँस में बसे हैं। जो मनुष्य विश्वास रखता है उसको ईश्वर मिल जाते हैं।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

इस पद्य से हमें यह शिक्षा मिलती है कि ईश्वर को ढूँढ़ने के लिए आडंबर नहीं रचना चाहिए। ईश्वर तो कण-कण में बसते हैं। प्रत्येक जीव की साँस में ईश्वर रचे-बसे हैं। केवल मंदिर-मस्जिद जाने से ईश्वर प्राप्ति नहीं होगी अपितु ईश्वर प्राप्ति सच्ची मानव-सेवा द्वारा ही होगी।

VI. भाषा कौशल

1. (क) एक (ख) मुझे (ग) तीर्थ (घ) मूर्ति (ङ) खोज (च) व्रत
2. (क) कर्ता (ख) कर्म (ग) कर्म (घ) कर्ता
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) ओडिशा (ख) जम्मू और कश्मीर (ग) दिल्ली (घ) पंजाब (ङ) असम (च) आंध्र प्रदेश (छ) बिहार (ज) राजस्थान

2-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. ऋतुराज वसंत

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. ऋतुओं का राजा वसंत को कहा गया है।
2. वसंत के आगमन का संदेश कोयल दे रही है।
3. सरसों के फूल पीले रंग के होते हैं।
4. प्रकृति ने पीले वस्त्र पहने हैं।
5. इस कविता के रचयिता द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) मधु, छाया (ख) वसंती, ऋतुराज
2. (क) कवि अपनी माँ को ऋतुराज वसंत के आगमन की सूचना दे रहे हैं।
   (ख) वसंत के आने पर कोयल कूकती है और लोगों को वसंत के आगमन का संदेश देती है।
   (ग) मंद-मंद हवा के झोंके जगत को शीतलता प्रदान करते हैं।
3. पंक्तियों का अर्थ है, माँ, ऋतुओं का राजा वसंत आ गया है। पीली-पीली सरसों के फूल खिल चुके हैं और उन पर पड़ने वाली सूरज की किरणें सोने जैसी चमकीली लग रही हैं। खेतों में भी सोने की-सी चमक बिखरी हुई है।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

वसंत का आगमन संदेश देता है कि हमें प्रकृति से प्रेम करना चाहिए और उसका रख-रखाव करना चाहिए। हमें मिल-जुलकर रहना चाहिए और अपने तथा दूसरों के जीवन में खुशियाँ भरनी चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) निषेधवाचक – तुम्हें मेरे साथ नहीं आना तो यह तुम्हारी मर्ज़ी है।
   प्रश्नवाचक – क्या बात है आजकल राकेश का तुम्हारे घर आना कम हो गया है?
   (ख) निषेधवाचक – तुम्हारे साथ घूमना मुझे पसंद नहीं।
   प्रश्नवाचक – क्या तुम मेरे साथ बाग में घूमना पसंद करोगे?
   (ग) निषेधवाचक – मैं तुम्हारा कहना नहीं मानूँगा।
   प्रश्नवाचक – तुमने मेरा कहना क्यों नहीं माना?
   (घ) निषेधवाचक – सब सामान आ गया अब तुम्हें कुछ नहीं लाना।
   प्रश्नवाचक – क्या तुम्हें बाज़ार से सामान लाना है?
   (ङ) निषेधवाचक – इतने दिनों के बाद आने पर भी तुमने मेरा स्वागत नहीं किया।
   प्रश्नवाचक – क्या स्वागत की सारी तैयारियाँ हो चुकी हैं?
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)
3. (क) कवि ने दुनिया के विषय में यह कहा है कि दुनिया में भूख, गरीबी से लोग मर रहे हैं। उन मरने वालों के जीवन में खुशियाँ लाकर हम अमर हो जाएँगे।
   (ख) जो लोग गरीब हैं, भूखे हैं, अकेले हैं उन्हें गले लगाने की बात कवि कह रहे हैं।
   (ग) यहाँ पर उद्यम और मेहनत का दीप जलाकर घरों में रोशनी लाने की बात कही गई है।
   (घ) पुनरुक्त

(ङ) अंधकार, तम

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

2. वसंत $\rightarrow$ ग्रीष्म $\rightarrow$ वर्षा $\rightarrow$ शरद $\rightarrow$ हेमंत $\rightarrow$ शिशिर

1,3,4,5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. दो कलाकार

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. अरुणा और चित्रा में से चित्रा चित्रकार थी।
2. अरुणा और चित्रा हॉस्टल में रहती थीं।
3. चित्रा के पास उसके पिता जी का पत्र आया था।
4. अरुणा पंद्रह दिनों बाद लौटी थी।
5. अरुणा के पति बच्चों को प्रदर्शनी दिखाने के लिए ले गए।

III. लिखित कौशल

1. (क) चित्रा ने अरुणा को अपना बनाया हुआ चित्र दिखाने के लिए जगाया था।
   (ख) चित्र देखकर अरुणा ने उसे राय दी कि हज़ार बार तुझसे कहा कि जिसका चित्र बनाए उसका नाम लिख दिया कर जिससे गलतफ़हमी न हुआ करे, वरना तू बनाए हाथी और हम समझें उल्लू।
   (ग) रविवार के दिन अरुणा बच्चों के लिए पाठशाला लगाया करती थी।
   (घ) चित्रा के पिता जी ने पत्र में लिखा था कि जैसे ही चित्रा का कोर्स समाप्त हो जाए, वह विदेश जा सकती है।
   (ङ) चित्रा और अरुणा के बीच कला और जीवन को लेकर लंबी-लंबी बहसें होती थीं।
   (च) बाढ़-पीड़ितों की सहायता करने के लिए स्वयंसेवकों का एक दल जा रहा था। अरुणा ने भी उनके साथ जाने के लिए प्रिंसिपल साहिबा से अनुमति ली थी।
   (छ) चित्रा ने देरी से आने का कारण बतलाया था कि गर्ग स्टोर्स के सामने पेड़ के नीचे एक भिखारिन मरी पड़ी है और उसके दोनों बच्चे उसके सूखे शरीर से चिपककर बुरी तरह रो रहे हैं। जाने क्या था उस सारे दृश्य में कि मैं अपने को रोक नहीं सकी, एक स्केच बना ही डाला। बस, इसी में इतनी देर हो गई।
   (ज) अरुणा के साथ आए बच्चों का वास्तविक परिचय जानकर चित्रा की आँखें फैली की फैली रह गईं। वह कुछ सोचने लगी तथा शब्द शायद उसके विचारों में ही खो गए।
2. (ग) (घ) (ख) (ङ) (क) (च)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि अरुणा ने भिखारिन के बच्चों को अपनाया, उनका पालन-पोषण किया। उसका ऐसा करना उसके ममता एवं त्याग जैसे मानवीय गुणों को प्रदर्शित करता है।
2. इस वाक्य से चित्रा का अपनी सहेली से लगाव उभरता है। यह वाक्य चित्रा का धरातल से जुड़ा रहना भी दिखाता है क्योंकि एक प्रसिद्ध चित्रकार होने के बावजूद भी वह आत्मीयता को स्थान देती है।
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

VI. भाषा कौशल

1. (क) दिन = दिवस, दीन = गरीब (ख) शौक = चाव, शोक = दुख
   (ग) क्रम = सिलसिलेवार, कर्म = काम (घ) अपेक्षा = उम्मीद, उपेक्षा = अनादर
2. (क) कालवाचक क्रियाविशेषण (ख) संयुक्त क्रिया (ग) भूतकाल (घ) विशेषण (ङ) सार्वनामिक विशेषण
3. (क) निरर्थक, निर्जीव (ख) चित्र, तस्वीर (ग) बच्चा, लड़का (घ) हॉस्टल, आइडिया (ङ) साहिबा, शोहरत
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)
5. (क) वर्तमान युग को विज्ञापन का युग कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

(ख) विज्ञापन के प्रमुख साधन हैं– रेडियो, टेलीविज़न, समाचारपत्र, इंटरनेट आदि।

(ग) विज्ञापन का मूल उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता के बीच संपर्क स्थापित करना है।

(घ) विज्ञापन से विज्ञापनकर्ता की वस्तु की लोकप्रियता बढ़ जाती है और ज़्यादा से ज़्यादा बिक्री होती है जिससे वे अधिक लाभ कमाते हैं।

(ङ) विज्ञापन का महत्त्व।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. ऊपर से नीचे – (1) पाठशाला (2) अंत (4) निरर्थक (6) विदेश
बाएँ से दाएँ – (3) तस्वीर (5) कलाकार (6) विदाई (7) प्रदेश

2-3. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. (क) बच्चों के अधिकारों से संबंधित

(ख) वृद्ध लोगों के अधिकारों एवं उनकी देखभाल से संबंधित

(ग) विकलांग बच्चों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य से संबंधित

(घ) गरीब बच्चों की शिक्षा और रोज़गार से संबंधित

(ङ) कैंसर की रोकथाम तथा जागरूकता से संबंधित

पाठ 16. अन्याय के विरोध में

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. जूलिया लेखक के बच्चों की देखभाल करती थी तथा उन्हें पढ़ाती थी।
2. जूलिया की तनख्वाह चालीस रूबल महीना तय हुई थी।
3. जूलिया ने चाय की प्लेट और प्याली तोड़ डाली थी।
4. जैकेट फटने की वजह से जूलिया के दस रूबल कट गए।

III. लिखित कौशल

1. (क) लेखक ने जूलिया को उसकी तनख्वाह का हिसाब करने के लिए बुलाया था।
   (ख) लेखक ने जूलिया को अस्सी रूबल दिए थे।
   (ग) लेखक जूलिया को समझाना चाह रहे थे कि हमें अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज़ उठानी चाहिए। हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। हमें चुपचाप ज़्यादतियाँ नहीं सहनी चाहिए। अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से लड़ना चाहिए।
2. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही
3. (क) लेखक ने जूलिया से पूछा है कि क्या इनसान को अन्याय के खिलाफ़ नहीं लड़ना चाहिए। क्या भला कहलाए जाने के लिए अन्याय को सहते रहना ज़रूरी है? क्या हमें गलत बात का विरोध नहीं करना चाहिए?
   (ख) लेखक ने जूलिया को समझाया कि इस संसार में डरपोक लोगों को जीने का अधिकार नहीं है। जो लोग डरते हैं न तो वे अपना भला कर सकते हैं और न ही दूसरों का। ऐसे कमज़ोर हृदय वाले लोगों के लिए इस दुनिया में कोई जगह नहीं है।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा दूसरों को निर्भय बनाना लेखक के चरित्र की विशेषताएँ हैं।
2. जूलिया के व्यक्तित्व में सहनशीलता, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन, सच्चाई तथा धैर्य जैसे गुणों की झलक मिलती है।
3. प्रस्तुत पाठ से यही सीख मिलती है कि हमें अन्याय नहीं सहना चाहिए और इसका विरोध करना चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बार-बार (ख) जहाँ-जहाँ (ग) दो-तीन (घ) इधर-उधर (ङ) काम-वाम
2. (क) जब (ख) और (ग) क्योंकि (घ) और (ङ) कि (च) पर
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (i)
4. (क) (iv) (ख) (iv) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) यूआन (ख) रुपया (ग) येन (घ) यूरो (ङ) पीसो (च) रियाल

2-4. विद्यार्थी स्वयं करें।

नमूना प्रश्न-पत्र

(पाठ 1 से 16 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) भौंरे फूलों पर गूँज रहे हैं।

(ख) मंद-मंद समीर (हवा) बह रहा है।

(ग) ऋतुराज वसंत को कहा गया है।

(घ) फूल, पुष्प

(ङ) शीतल × उष्ण (गरम)

2. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (iii)

(ख) (ii)

(ग) (i) मुझे आज नहीं आना है।

(ii) तुम आज आना क्यों नहीं चाहते?

(घ) (i) दिवस (ii) गरीब

(ङ) (i) निर्धन (ii) संकल्प

(च) (i) श् + र् + ऋ + ञ् + ग् + आ + र् + अ

(ii) च् + आँ + द् + अ + न् + ई

(iii) स् + व् + आ + द् + इ + ष् + ट् + अ

(iv) स् + व् + ई + क् + ऋ + त् + इ

(छ) (i) सु + गंध

(ii) बे + परवाही

(ज) (i) लालच

(ii) शत्रुता

(झ) (i) विदेश

(ii) पुण्य

(ञ) (i) उसकी आवाज़ काँपने लगती है।

(ii) माँ सबके लिए कपड़े खरीदने में लगेंगी।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) लेखक जूलिया को समझाना चाह रहे थे कि हमें अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज़ उठानी चाहिए। हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। हमें चुपचाप ज़्यादतियाँ नहीं सहनी चाहिए। अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से लड़ना चाहिए।

(ख) अध्यापिका ने निर्मला से भूगोल तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे।

(ग) रविवार के दिन अरुणा बच्चों के लिए पाठशाला लगाया करती थी।

(घ) राकेश अपना जेबी ट्रांजिस्टर लेकर पिता जी के कार्यालय गया। उसने पाया कि जैसे ही मक्खियाँ कमरे में आईं वैसे ही ट्रांजिस्टर के डायल पर एक स्थान पर कुछ अस्पष्ट-सी ध्वनियाँ उभरने लगीं। डायल के उस स्थान पर या उसके आस-पास कोई रेडियो केंद्र भी नहीं लगता था कि उसकी आवाज़ आ रही हो। उसे अपना अनुमान ठीक प्रतीत होने लगा।

(ङ) गिरगिट को दो-चार कीड़े ज़्यादा निगल लेने से बदहजमी हो गई थी। नींद लाने के लिए वह कई तरह से उलटा-सीधा हुआ परंतु उसे नींद नहीं आई। उसने कई बार रंग भी बदला, पर कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए उसे बेचैनी हो रही थी।

4. विद्‌यार्थी स्वयं करें। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु–**

(i) सूचना किसकी ओर से – नाम, कक्षा (ii) सूचना का विषय (iii) चंदा देने का स्थान (iv) चंदा देने की अंतिम तारीख

5-6. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र-1
(पाठ 1-8 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) पेड़ के लिए फूल बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं? फूल पेड़ की शोभा है। यह पौधे का शृंगार है, उसकी आशा, शोभा, भाषा सब कुछ है। फूल पेड़ की सुंदरता में चार चाँद लगा देता है।

(ख) राजेंद्र बाबू की मुखाकृति ही नहीं, उनके शरीर के संपूर्ण गठन में एक सामान्य भारतीय जन की आकृति और गठन की छाया थी। अतः उन्हें देखने वाले को किसी-न-किसी आकृति का व्यक्ति स्मरण हो आता था और वह अनुभव करने लगता था कि इस प्रकार के व्यक्ति को पहले भी कहीं देखा है।

(ग) सूर्य के प्रकाश के बारे में वेंकट रामन ने समझाया था कि सूर्य का प्रकाश जिन सात रंगों–बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी और लाल से बना है, उनमें से नीले रंग को छोड़कर बाकी सभी रंग प्रकीर्णन के कारण अवशोषित होकर ऊर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं परंतु नीला प्रकाश वापस परावर्तित हो जाता है।

(घ) हमें अपने बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर-सम्मान का व्यवहार रखना चाहिए। उनकी देखभाल करनी चाहिए तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए।

(ङ) गिरगिट कुछ और बनना चाहता था क्योंकि उसका ख्याल था कि हर चीज़, हर जीव का अपना रंग है। पर उसका अपना कोई रंग नहीं है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए।

(क) बुढ़ापे में इनसान का मन फिर से बच्चा बन जाना चाहता है। इनसान का व्यवहार बच्चों जैसा हो जाता है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि अगर फूल को तोड़ोगे तो वह पौधे से अलग होने के बाद मुरझा जाएगा। फूल कम समय के लिए खिलता है और यह पौधे की शोभा बढ़ाता है अतः इस फूल को पौधे से अलग मत करो। इसे खिलने दो। थोड़े समय बाद तो ये खुद ही मुरझाकर झड़ जाता है।

3. पाठ के आधार पर लिखिए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत।

(क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही (च) सही

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) दिन-रात (ख) इस (ग) वह (घ) पर (ङ) चारों ओर (च) ईर्ष्या

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

6. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) बहुत गुस्सा होना– चोर को देखकर पुलिस आग-बबूला हो गई।

(ख) डरकर भाग जाना–पुलिस को देखते ही गुंडे दुम दबाकर भाग गए।

(ग) इज्ज़त न रहना–मोहन की चोरी पकड़ी गई, सबके सामने उसका पानी उतर गया।

(घ) अपनी ही कहते रहना–तुम हमेशा विदेश जाने का राग क्यों अलापते रहते हो?

(ङ) शर्मिंदा होना–जब पिता जी को मेरे झूठ बोलने का पता चला तो अध्यापक के सामने उन पर घड़ों पानी पड़ गया।

जाँच पत्र-2

(पाठ 9-16 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मनुष्य ईश्वर को ढूँढ़ने के लिए तीर्थ, एकांत निवास, मंदिर, मस्जिद, काबा तथा कैलाश पर्वत तक चला जाता है।

(ख) वैद्य जी ने अपने व्यवसाय के बारे में रत्ना से कहा कि हमारा वैद्यक का यह व्यवसाय ऐसा है जिसमें पैसा कमाना ठीक नहीं। यह है सिर्फ़ समाज की भलाई के लिए। समाज से हमें अपने गुज़ारे भर का पैसा मिले तो काफ़ी है।

(ग) तीसरे दिन राकेश ने बैठक वाले कमरे में एक विशेष बात देखी। जिस समय बैठक होती थी, उसी समय कमरे में कुछ मक्खियाँ न जाने कहाँ से आ जातीं और मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती थीं। ये सामान्य मक्खियों से कुछ भिन्न प्रकार की थीं और आकार में भी थोड़ी बड़ी थीं।

(घ) बर्लिन ओलंपिक में ध्यानचंद के खेल-प्रदर्शन से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहना शुरू कर दिया।

(ङ) झलकारी बाई ने रानी को बचाने के लिए योजना बनाई थी कि वह रानी के वेश में अंग्रेज़ों को धोखे में रखेगी और तब तक रानी किले से बाहर निकल जाएँगी।

2. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे?

(क) जूलिया ने लेखक से कहा।

(ख) अरुणा ने चित्रा से कहा।

(ग) मेजर ध्यानचंद ने माइनर्स टीम के एक खिलाड़ी से कहा।

(घ) लेखक ने जूलिया से कहा।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) भौंरे (ख) पुरस्कृत (ग) शब्द (घ) विश्वास (ङ) ताकत (च) उपस्थिति

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) भगवान को (ख) गहरी (ग) बहुत (घ) बार-बार (ङ) शर्मिंदा हुआ (च) विदाई

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (i)

6. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए।

(क) **व्रत** – आज मेरा उपवास है।

(ख) **सोना** – यह स्वर्ण की अँगूठी है।

(ग) **कठिन** – यह सवाल बहुत जटिल है।

(घ) **समय** – परीक्षा की अवधि दो घंटे है।

(ङ) **अच्छा भाग्य** – आपसे मिलना सौभाग्य की बात है।